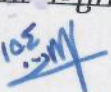


दारीय
दिवस

दिवस या काटवाही मय इतिहास जल

से 4 के दिनांक इकरका काटवाही की गयी। इस तथ्य को अपीलाट-अपेलेशन संख्या 3 व 4 के द्वारा भारतीय समाज सीमा अधिनियम की धारा 5 के अन्तर्गत प्रत्येक धर्जाकरण में छिपाते हुए यह सिद्धा कथन करना उचित नहीं है कि अधिनियम द्वारा उन्हे सैनिकों का अवसर नहीं दिया गया। ऐसी. के अधिवक्ता की ओर से प्रस्तुत जॉरि 2009 RRT SC 432 में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा धारित किया गया है कि अत्यंत अथवा सिद्धा कथन विनाश के समान से इन्कर करने हेतु पर्याप्त है। उपरोक्त समस्त विवेचन के आधार पर अपीलाट पर धर्जाकरण का प्रत्येक अन्तर्गत धारा 5 भारतीय समाज सीमा अधिनियम स्वीकार किये जाने योग्य नहीं पाया जाता है, जो खरिज किया जाता है और तदनुसार अपीलाट अपीलाटस समय-सीमा से बाहर होने के कारण खरिज की जाती है।

आदेश सुनने न्यायालय में सुनाया गया।

2018/11/19


राजद अपील अधिकांश जल परतार

राजद परतार
अपील अधिकांश
जल परतार